आज दिनांक 3 जून, 2019 को परम पावन दलाई लामा जी के आशीर्वाद, प्रेरणा तथा सहयोग से, राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला, कांगड़ा (हि॰प्र॰) के परिसर में आरम्भ होने वाले Ancient Indian Wisdom यानी प्राच्य भारतीय विद्या विषय, जिसे उच्चतर शिक्षा निदेशालय, हिमाचल प्रदेश, द्वारा अपने आदेश पत्र संख्या - EDN-H(8) A(1) 2015-16 (Conf./Sem./Trngs-I, Dated 10 Aug. 2018 के तहत महाविद्यालय को संचालनार्थ अनुमति प्रदान की जा चुकी है, से सम्बद्ध पाठ्यक्रम निर्मात्री अस्थायी अध्ययन समिति (Adhoc Board of Studies) की बैठक इसके अध्यक्ष प्रो॰ वी॰ एस॰ नेगी की अध्यक्षता में, प्रदेश विश्व विद्यालय के बौद्ध विद्या केन्द्र (Centre for Buddhist Studies) में सम्पन्न हुई। इस बैठक में निम्न सदस्य उपस्थित रहे—

(1) श्री वी॰ एस॰ नेगी, अध्यक्ष — [signature] 3-6-19

(2) प्रो॰ लक्ष्मण सिंह ठाकुर, सदस्य — Laxmansingh [signature] 3/6/19.
प्रोफेसर, डॉ॰ वाई॰ एस॰ परमार पीठ, हि॰प्र॰ वि॰ वि॰

(3) प्रो॰ अवधेश कुमार चौबे, — [signature] 3/6/19
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
बौद्ध दर्शन विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, अगरतला कैम्पस, त्रिपुरा। — सदस्य

(4) प्रो॰ सुनील मेहता, — [signature] 3/6/19.
प्रधानाचार्य एवं परियोजना निदेशक, Ancient Indian Wisdom, — (विशेष आमन्त्रित) सदस्य

आज की बैठक की विचारणीय कार्यसूची पर विचार करने से पूर्व अस्थायी अध्ययन समिति के अध्यक्ष ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। तदुपरान्त बैठक की कार्यसूची को विचारार्थ समिति के समक्ष प्रस्तुत किया।

<u>प्रस्ताव-1.</u> राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला, कांगड़ा (हि॰प्र॰) के परिसर में परमपावन दलाई लामा जी के सहयोग से Centre For Ancient Indian Wisdom (प्राच्य भारतीय विद्या केन्द्र) स्थापित कर उसमें Ancient Indian Wisdom (प्राच्य भारतीय विद्या) में पाठ्यक्रम संचालित करने (जिसके संचालनार्थ परम पावन जी ने 1 मई, 2018 को महाविद्यालय के प्रधानाचार्य को लिखित अपने पत्र में इच्छा व्यक्त की है और उच्चतर शिक्षा निदेशालय,

हिमाचल प्रदेश, ने अपने पत्र संख्या - EDN-H(8) A(1)
2015-16 Conf./Sem/Trngs-1, Dated 10 Aug. 2018,
के द्वारा एतदर्थ अनुमति प्रदान की है और महाविद्यालय
के तत्कालीन प्रधानाचार्य, प्रो० सुनील मेहता ने अपने
पत्र संख्या EDN-GCD-Short Course-2018-5182
Dated March 5, 2019 के द्वारा पाठ्यक्रम निर्माण हेतु
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से अनुरोध किया है।) के
सन्दर्भ में विचार:

इस प्रस्ताव पर विचार-विमर्श के उपरान्त अस्थायी
समिति (Adhoc Board of Studies) ने इसे सर्वसम्मति
से स्वीकार कर लिया।

प्रस्ताव-2. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालयीय Statute
Ordinance-1 के Chapter-1 में (1.1) Faculty of
Languages के अन्तर्गत सम्मिलित विभागों के क्रम सं०
-12 पर, दर्ज Functional Hindi के बाद क्रम संख्या
13. Ancient Indian Wisdom' जोड़ने के सम्बन्ध
में विचार तथा निर्णय:

इस प्रस्ताव पर विचार-विमर्श के उपरान्त अस्थायी
अध्ययन समिति ने इसे सर्वसम्मति से Annexure-
के रूप में पारित कर दिया।

प्रस्ताव-3 हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अध्या
(Ordinance) 1.3; 1.4; 8.107, में "Certificate Course
in Ancient Indian Wisdom" (प्राच्य भारतीय
विद्या विषयक प्रमाण पत्रीय पाठ्यक्रम) से सम्बद्ध विभि
नए प्रावधानों (Provisions) को संयोजित (Additi
करने के सन्दर्भ में विचार तथा निर्णय:

इस प्रस्ताव पर विचार-विमर्श के उपरान्त
अस्थायी अध्ययन समिति ने इसे सर्वसम्मति
Annexure-II के रूप में पारित कर दिया।

प्रस्ताव-4 Ancient Indian Wisdom (प्रा-
-भारतीय विद्या) में 20: मासीय प्रमाण पत्रीय
पाठ्यक्रम (Six Monthly Certificate Course

तथा पाठ्यक्रम से सम्बद्ध नियमावली के निर्माण पर विचार तथा निर्णय

अस्थायी अध्ययन समिति ने पाठ्यक्रम तथा पाठ्यक्रम से सम्बद्ध नियमावली का निर्माण कर गहन विचार-विमर्श के उपरान्त इसे सर्वसम्मति से Annexure-III के रूप में पारित कर दिया।

इसके बाद बैठक अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर के साथ सम्पन्न हो गई।

[signature] 3-6-19

दिनांक- 3-6-2019

(V. S. Negi)
Chairman
Adhoc Board of Studies
Ancient Indian Wisdom
H.P. University Shimla